शनिवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
29 मार्च 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 60
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

# दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

# आदर्श राज्य बनाएंगे: धामी

## रोड शो में उमड़ी भारी भीड़, अगले 2 वर्ष का रोड मैप तैयार

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि सरकार निरंतर राज्य के विकास के लिए काम कर रही है तथा उनका लक्ष्य उत्तराखंड को आदर्श राज्य बनाना है।

अपनी सरकार के 3 साल का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में आज राजधानी दून में आयोजित एक रोड शो के दौरान उन्होंने कहा कि 2022 के संकल्प पत्र में उन्होंने जनता से जो वायदे किए थे उनमें से 70 प्रतिशत वायदों को उनकी सरकार पूरा कर चुकी है। तथा शेष बचे कुछ कामों को निपटाने का प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि आगामी दो सालों में सरकार को क्या-क्या करना है उसका रोड मैप तैयार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन तीन सालों में उनकी सरकार द्वारा राज्य में यूसीसी लागू करने से लेकर नकल माफिया पर लगाम कसने के लिए सख्त कानून बनाने तथा दंगों के दौरान होने वाले नुकसान

### ❑संकल्प पत्र के 70 फीसदी वायदे पूरे

की भरपाई दंगा करने वालों से वसूलने और जबरन धर्मांतरण को रोकने तथा जमीनों की लूटपाट को रोकने के लिए सख्त भू कानून लाने जैसे अनेक काम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार विकास और विरासत दोनों की हिफाजत के लिए विकल्प रहित संकल्प के फार्मूले पर काम कर रही है। राज्य में प्रति व्यक्ति आय में लगातार वृद्धि हो रही है तथा विकास की अनेक परियोजनाओं पर काम जारी है।

मुख्यमंत्री का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा निर्देशन में हम लगातार विकास को जारी रखे हुए हैं। उत्तराखंड देश का पांचवा विकसित राज्य बन चुका है तथा हम एक आदर्श राज्य बनने की ओर अग्रसर है। रोड शो में भारी भीड़ देखने को मिली। लोग हाथों में मोदी और धामी की तस्वीर लगे बोर्ड लगाकर पहुंचे थे। महानगर भाजपा द्वारा आयोजित इस रोड शो में लोगों ने जमकर फूल वर्षा की। राज्य में यह कार्यक्रम मार्च के अंत तक जारी रहेगा।

# दून वैली मेल

## संपादकीय

# अवैध खनन का धंधा

उत्तराखंड में खनन का जो धंधा इतने व्यापक स्तर पर होता है वह कितना वैध और कितना अवैध है? इस मुद्दे पर सतारूढ़ भाजपा के नेताओं की राय एक नहीं है, वहीं भाजपा के नेताओं का दावा है कि राज्य में अवैध खनन को सरकार ने पूरी तरह रोक दिया है जबकि कांग्रेस के नेता और हाईकोर्ट इससे इत्तेफाक नहीं रखते हैं। बीते कल ही नैनीताल हाई कोर्ट द्वारा बाजपुर में कोसी नदी से हो रहे अवैध खनन में लिप्त लोगों पर केस दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं वहीं नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने शासन प्रशासन में बैठे नेताओं और अधिकारियों की संलिप्ता का आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके गठजोड़ के कारण ही राज्य में अवैध खनन को बढ़ावा मिल रहा है। अभी सिर्फ चार दिन पहले की बात है हरिद्वार से सांसद और पूर्व सीएम त्रिवेंद्र रावत द्वारा उत्तराखंड के चार जिलों जिसमें राजधानी दून, हरिद्वार, नैनीताल और उधम सिंह नगर शामिल थे अवैध खनन और अवैध खनन ढोने वाले वाहनों से सड़कों व पुलों को होने वाले नुकसान का मुद्दा संसद में उठाया गया था। भाजपा का कोई सांसद अगर अपनी ही पार्टी की राज्य सरकार के खिलाफ कुछ बोले तो इस पर सत्ता में बैठे लोगों का असहज होना स्वाभाविक है। राज्य की धामी सरकार ने अपने खनन सचिव को तुरंत मैदान में उतरा। जिनका कहना था कि राज्य में अवैध खनन पर रोक लगाकर ही सरकार ने इस साल खनन से 1025 करोड़ का राजस्व जुटाया है। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी कह रहे हैं कि कांग्रेस सरकार की राजस्व कमाई को पचा नहीं पा रही है। इसलिए कांग्रेसी नेता बौखला रहे हैं। सवाल यह है कि अगर कांग्रेसी इससे बौखलाए हुए हैं तो क्या उनके सांसद त्रिवेंद्र रावत और नैनीताल हाई कोर्ट भी बौखलाए हुए हैं जो इसे संसद में उठा रहे हैं या खनन माफिया पर मुकदमा दर्ज करने के आदेश दे रहे हैं। इस बात को सभी जानते हैं कि राज्य में अवैध खनन का धंधा कितने व्यापक स्तर पर होता है। तथा यह भी सच है कि खनन और आबकारी राज्य सरकार की आय के प्रमुख स्रोत है। लेकिन राज्य में खनन और शराब से जितनी अवैध कमाई होती है उसके सच को सरकार भला कैसे नकार सकती है। पूर्व सीएम हरीश रावत तो मुख्यमंत्री धामी को खनन प्रिय मुख्यमंत्री तक कहते रहे हैं। पूर्व सीएम त्रिवेंद्र रावत व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दोनों ही पूर्व सीएम भगत दा की राजनीति की पाठशाला से निकले हैं। अच्छा हो कि भाजपा नेता खुद ही यह तय कर ले कि राज्य में खनन का जो धंधा होता है उसमें कितना वैध धंधा है और कितना अवैध धंधा है। अभी बीते कल ही विकास नगर क्षेत्र के ढकरानी में अवैध खनन से भरे कई बड़े वाहन सीज किए गए हैं। डोईवाला टोल प्लाजा पर खनन से भरे डंपर ने दो लोगों की जान ले ली। यह सब क्या है इसका जवाब देय किसी को तो होना ही चाहिए।

# समुदाय विशेष के खिलाफ बदले की भावना से कार्य कर रही सरकारः मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सरकार समुदाय विशेष के खिलाफ बदले की भावना से कार्य कर रही है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा कार्यकर्ताओं एवं समुदाय विशेष से जुड़े लोगों द्वारा मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में लोकतंत्र बचाने एवं सरकार द्वारा समुदाय विशेष के हितों पर कुठाराघात/ शोषण के खिलाफ तहसील घेराव/प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी, विकासनगर की गैर मौजूदगी में नायब नाजिर अभिनय को सौंपा। नेगी ने कहा कि पिछले कुछ समय से हर मोर्चे पर विफल हो चुकी सरकार जनता का ध्यान बाँटने के उद्देश्य से प्रदेश भर में सिर्फ समुदाय विशेष को निशाना बनाकर उनके मदरसों को पंजीकरण के नाम पर उत्पीड़न एवं विकास प्राधिकरणों के जरिए नोटिस जारी करने व पर्याप्त समय दिए बगैर उनको सील करने की कार्यवाही कर रही है, जोकि सरकार का दोहरा मापदंड है अन्याय है। व्यवस्था है कि दीनी तालीम देने वाले मकतबों को पंजीकरण की कोई आवश्यकता नहीं होती। सरकार को चाहिए कि बगैर नक्शा पास कराये संचालित इन मदरसों को नक्शा पास कराने हेतु समुचित अवसर प्रदान करना चाहिए। अगर इनके द्वारा नक्शा नहीं पास कराए जाते तो सरकार कोई भी कार्रवाई करने को स्वतंत्र है, लेकिन पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर नहीं। इसके साथ-साथ इनमें अध्यनरत छात्रों का हित भी सरकार को देखना चाहिए। नेगी ने कहा कि अगर सरकार में हिम्मत है तो समुदाय विशेष से इतर बगैर नक्शा पास कराये संचालित प्राइवेट विद्यालयों(कॉन्वेंट स्कूलों) सरकारी भवनों/ सरकारी विद्यालयों/ आंगनबाड़ी केंद्रो, चाहे वो निजी या सरकारी भवनों में संचालित हैं, क्या उनको भी सरकार नोटिस जारी करने व सील किए जाने की कार्रवाई करने का दम रखती है। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या करने पर तुली है। मोर्चा राजभवन से मांग करता है कि समुदाय विशेष के खिलाफ की जा रही उत्पीड़नात्मक

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

# 'भैरव वाणी' नामक पत्रिका के प्रथम संस्करण का विमोचन

संवाददाता

देहरादून। 8 अप्रैल से प्रारंभ हो रही सात दिवसीय पंचगव्य शुद्धिकरण अभियान यात्रा के निमित्त 'भैरव वाणी' नामक पत्रिका के प्रथम संस्करण का विमोचन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख संजय कुमार द्वारा किया गया।

आज यहां भैरव सेना संगठन द्वारा राजपुर रोड़ स्थित विश्व संवाद केंद्र में 8 अप्रैल से प्रारंभ हो रही सात दिवसीय पंचगव्य शुद्धिकरण अभियान यात्रा के निमित्त 'भैरव वाणी' नामक पत्रिका के प्रथम संस्करण का विमोचन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख संजय कुमार द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख संजय कुमार ने कहा कि भैरव सेना संगठन निरंतर रूप से क्षेत्रीय स्तर पर देवभूमि उत्तराखंड में हिंदू हित के कार्यों तथा सनातन धारा के प्रचार-प्रसार में अपना योगदान संगठित और योजनाबद्ध तरीके से संयमित होकर दे रहा है।

भैरव सेना संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री ने कहा कि इससे पूर्व संगठन द्वारा चार पंचगव्य शुद्धिकरण अभियान यात्राओं का आयोजन किया जा चुका है, जो की अपेक्षा अनुसार सफल रहे। परंतु अभी भी आम जनमानस का कुछ तबका पंचगव्य शुद्धिकरण अभियान यात्रा के उद्देश्य तथा लाभों के विषय को लेकर प्रचार-प्रसार ना होने के कारण वंचित था। जिसको लेकर संगठन द्वारा पत्रिका का प्रकाशन करने का विचार किया गया और पहले ही संस्करण का विमोचन प्रांत प्रचार प्रमुख के द्वारा होना संगठन की बड़ी उपलब्धि है।

# 'समान नागरिक संहिता' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर में 'समान नागरिक संहिता' विषय पर 'एक दिवसीय संगोष्ठी' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राजेश कुमार उभान एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर सुभाष कुमार वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ । इसके पश्चात कार्यक्रम समन्वयक और राजनीति विज्ञान विभाग प्रभारी प्रोफेसर सर्वजीत सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय प्रवर्तन किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राजेश कुमार उभान ने अपने उद्बोधन में कहा कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए समानता और न्याय सुनिश्चित करना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, और धर्म के आधार पर भेदभाव को कम करना है। राजनीति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर आशा राणा ने समान नागरिक संहिता की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्य वक्ता प्रोफेसर सुभाष वर्मा ने समान नागरिक संहिता पर अपना विचार व्यक्त करते हुए समान नागरिक संहिता से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला । आपने समान नागरिक संहिता के सम्बन्ध में उठने वाले विभिन्न प्रश्नों और शंकाओं का समाधान किया। आपने समान नागरिक संहिता के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो.शम्भू दत्त पाण्डेय,रवीन्द्र कुमार सैनी, प्रो हेमलता सैनी, प्रो हरीश चंद्र, प्रो मनोज पाण्डेय, प्रो पूनम रौतेला, प्रो पी.पी.त्रिपाठी, डॉ.कमला बोरा, डॉ. प्रद्युम्न रिछारिया, डॉ बामेश्वर प्रसाद सिंह और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# ब्लंडर रील्स बनाने का शौकीन तमंचे के साथ गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ब्लंडर रील्स बनाने के शौकीन युवक को पुलिस ने तमंचे के साथ गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवक रोब जमाने के लिए तमंचे के साथ सोशल मीडिया पर रील अपलोड किया करता था।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना पथरी पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान सुभाष गढ़ मार्ग रेलवे फाटक के पास एक संदिग्ध रिट्ज कार को रोककर चैक किया गया तो कार चालक मंजीत के कब्जे से 1 तमंचा 315 बोर व 1 जिन्दा कारतूस बरामद हुआ। बरामदगी के मुताबिक आरोपी युवक के खिलाफ थाना पथरी में शस्त्र अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया।

पूछताछ मे आरोपी मंजीत द्वारा बताया की उसकी हरिद्वार के लड़को से इंस्टाग्राम में दोस्ती है, जिन्हे अपना रोब दिखाने के लिए उसने तमंचे के साथ रील बनाई थी। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

# सलमान खान बोले, रश्मिका और उनके पिता को एतराज नहीं...!

हिंदी फिल्मों के सुपरस्टार सलमान खान अपने फैंस को ईद पर अपनी आगामी फिल्म 'सिकंदर'के साथ ईदी देंगे। र सलमान खान ने अपने फैंस के साथ फिल्म का ट्रेलर जारी किया। सलमान खान के इस ट्रेलर को फैंस की ओर से भरपूर प्यार मिला है। फैंस अब 30 मार्च का इंतजार कर रहे हैं, जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रविवार को सलमान खान और रश्मिका मंदाना 'सिकंदर' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां उनसे फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार द्वारा छोटी अभिनेत्रियों के साथ काम करने के बारे में पूछा गया।

हिंदी सिनेमा के भाईजान कहे जाने वाले इस अभिनेता ने मीडिया को बहुत ही व्यावहारिक जवाब देते हुए कहा, मेरे और हीरोइन के बीच 31 साल का अंतर है। हीरोइन को यह समस्या नहीं है। हीरोइन के पिता को यह समस्या नहीं है, तो आप लोगों को क्या समस्या है। सलमान जिस वक्त यह जवाब दे रहे थे। रश्मिका के चेहरे पर हंसी रुकने का नाम नहीं ले रही थी। सलमान खान ने आगे कहा कि जब इनकी शादी हो जाएगी, बच्ची हो जाएगी, बड़ी स्टार हो जाएगी तो उनके साथ भी काम करेंगे। मम्मी का परमिशन तो मिल ही जाएगा। सलमान खान ने इस दौरान फिल्म की अभिनेत्री की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रश्मिका जिस लगन से काम कर रही हैं वह तारीफ के काबिल है। सलमान ने बताया कि उन्हें पुष्पा-2 और सिकंदर की शूटिंग के दौरान पैर में चोट लगी थी। लेकिन, इसके बावजूद उन्होंने शूटिंग जारी रखी।

सलमान कि फिल्म सिकंदर के ट्रेलर में एक ऐसा शानदार नजारा दिखाया गया है जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेगा। ट्रेलर में सलमान मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं, वह एक मिशन पर हैं। सिकंदर का उनका किरदार दमदार नजर आ रहा है। यह फिल्म निर्माता के लिए एक और बड़ी सफलता साबित होने वाली है, जिनके पास ऐसी फिल्में बनाने का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है, जो न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि देश भर के दर्शकों के दिलों में जगह भी बनाती हैं।

# रोम में छुट्टियां मना रहीं गौरी खान, बताया पसंदीदा शहर

अभिनेता शाहरुख खान की पत्नी और इंटीरियर डिजाइनर गौरी खान रोम में छुट्टियां मना रही हैं। गौरी ने रोम को अपना पसंदीदा शहर बताया।

गौरी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके साथ मां सविता और कुछ दोस्त भी नजर आए। वीडियो में इटरनल सिटी के खूबसूरत नजारे भी दिखे।

वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए गौरी खान ने कैप्शन में लिखा, प्रकृति, यात्रा, कला, फैशन और व्यक्तिगत अनुभव सभी प्रेरणा के बेहतरीन स्रोत हैं... मेरा पसंदीदा शहर रोम।

बता दें, हाल ही में गौरी की बेटी सुहाना खान अपने खास दोस्त अगस्त्य नंदा के साथ एक रेस्टोरेंट में नजर आई थीं। अभिनेत्री डेनिम पैंट के साथ ब्लैक टॉप पहने रेस्टोरेंट से बाहर निकलती नजर आई थीं। उन्होंने अपने लुक को स्टाइलिश हैंडबैग, रिस्ट वॉच और खुले बालों के साथ पूरा किया।

कुछ समय पहले सुहाना मुंबई में अगस्त्य के साथ डिनर डेट पर नजर आई थीं। दोनों के साथ अगस्त्य की मां श्वेता बच्चन नंदा भी दिखी थीं। इन तीनों के रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हुए कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए।

क्लिप में अगस्त्य और श्वेता को रेस्टोरेंट से बाहर निकलते और अपनी कार में बैठते हुए दिखाया गया, जबकि सुहाना को अपनी सवारी का इंतज़ार करते हुए देखा गया। बता दें, सुहाना और अगस्त्य ने जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस प्रोजेक्ट में खुशी कपूर, वेदांग रैना, मिहिर आहूजा, डॉट और युवराज मेंडा मुख्य कलाकार के रूप में नजर आए थे।

2023 में ओटीटी पर रिलीज हुई 'द आर्चीज' 1960 के एनिमेटेड कार्टून 'द आर्ची शो' में दिखाई देने वाले काल्पनिक रॉक बैंड द आर्चीज' का रूपांतरण है।

सुहाना खान जल्द ही सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'किंग' में पहली बार अपने पिता शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में अभिषेक बच्चन और अभय वर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में होंगे। दूसरी ओर, अगस्त्य श्रीराम राघवन की फिल्म 'इक्कीस' में अभिनय करेंगे। वह फिल्म में परमवीर चक्र के सबसे कम उम्र के प्राप्तकर्ता अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

# बहुत अधिक पसीना आना हो सकता है इस बीमारी का संकेत!

गर्मी के मौसम में पसीना निकलना आम बात है। पसीना निकला शरीर के लिए जरूरी गतिविधियों में से है। इससे शरीर की गंदगी बाहर निकल जाती है। और त्वचा पर नैच्यूरल ग्लों भी बना रहता है। इसके अलावा यह वजन, मूड और नींद को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते है जिन्हें बहुत ज्यादा पसीना आता है। बिना किसी बीमारी, शारीरिक गतिविधि और बिना गर्मी के पसीना आना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है। यह परेशानी तब होती है जब शरीर से पसीने को बाहर निकालने वाली ग्रंथियां ऑवर एक्टिव हो जाती हैं।

सामान्य से अधिक पसीना आना हाइपरहाइड्रोसिस के कारण हो सकता है। इस रोग से पीड़ित लोगों के पसीने की ग्रंथियां अधिक सक्रिय हो जाती हैं। इसी वजह से इन लोगों के हाथ और पैर में पसीना आने लगता है। हाइपरहाइड्रोसिस बीमारी दो तरह की होती है। प्राइमरी तो नहीं लेकिन सेकेंड्री हाइपरहाइड्रोसिस से पीड़ित मरीज कई बीमारियों की चपेट में आ सकता है। ये बीमारियां है शुगर का बढ़ जाना, लो ब्लड प्रेशर और हाइपर थायरॉइडिज्म।

के अनुसार हाइपरहाइड्रोसिस से लगभग 3 प्रतिशत आबादी ग्रसित है।

ज्यादा पसीना आने के ये दो कारण

पहला कारण

अगर बिना किसी बीमारी के ज्यादा पसीना निकलता है तो इसके पीछे इसे बाहर निकालने वाली ग्रंथियां जिम्मेदार होती है। ये जब ऑवर एक्टिव हो जाती हैं तो शरीर से सामान्य से ज्यादा पसीना निकलने लगता है।

दूसरा कारण

जब कोई व्यक्ति थायराइड ग्लैंड डिसऑर्डर, डायबिटीज, मेनोपॉज, बुखार, घबराहट और हार्ट संबंधित रोगों से ग्रसित होता है।

ज्यादा पसीना निकल रहा है तो खाने पर रखें कंट्रोल

- मसालेदार खाना और खट्टा कम खाएं या न खाएं।

- आहार में गर्म खाद्य पदार्थों को शामिल न करें।

- रोज 10 भिगोएं हुए किशमिश को खाली पेट खाएं।

- आहार में कसैले और मिट्ठे स्वाद वाले खाद्य पदार्थों को ज्यादा खाएं।

इन पेय पदार्थ का करे सेवन

धनिया पानी

धनिया के बीजों को पीसकर रात भर पानी में भिगोकर रख दें। सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

खस पानी

पसीने की परेशानी ज्यादा गर्मियों में रहती है ऐसे में आप सादा पानी पीने की जगह खस का पानी पी सकते हैं। इसके लिए एक चम्मच खस के जड़ को 2 लीटर पानी में 20 मिनट के लिए भिगो दें। इसके बाद इसे छानकर इसका सेवन करें।

नींबू, नमक और पानी का करें सेवन

नींबू और नमक का मिश्रण इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस को बनाए रखने में मदद करता है। पसीने की वजह से शरीर में नमक की कमी हो जाती है। ऐसे में ठंडे पानी में नींबू और नमक मिलाकर पीने से अधिक पसीना निकलने की समस्या में आराम मिलेगा।

इन घरेलू उपचारों से कर सकते हैं दूर

सेब का सिरका

सेब के सिरका में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण होता है जो शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव को नियंत्रित करता है और रात को पसीना आने की समस्या से निजात दिलाता है।

विटामिन-ई

विटामिन-ई पसीना होने की समस्या से निजात दिलाने में मदद करता है। वेजिटेबल ऑयल और नट्स में विटामिन-ई होता है। विटामिन ई 35-40 तक हॉट फ्लैश और नाइट स्वेट को उत्तेजित करता है।

अलसी के बीज

अलसी में ओमेगा - फैटी एसिड और फाइबर होता है जो पसीना आने की समस्या से निजात दिलाता है। इसके अलावा यह पसीना को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को भी नियंत्रित करता है।

अश्वगंधा

अश्वगंधा सिर दर्द, तनाव और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए एक बेहतर उपचार होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण होता है जिसके कारण यह मेनोपॉज के लक्षणों को कम करता है जिससे पसीना आने की समस्या कम हो जाती है।

टी बैग का करें इस्तेमाल

पसीना ज्यादा आने की वजह से शरीर में दुर्गंध पैदा हो जाती है। ऐसे में आप एक कटोरी में 4 से 5 टी बैग को डालें। इसके बाद इसमें अपने हाथ को कुछ देर के लिए डुबोए रखें। रोजाना ऐसा करने से आपके ज्यादा पसीने आने की समस्या खत्म हो जाएगी। इसके अलावा आपगर्मी के मौसम में कॉटन के कपड़े पहनें।

# क्या रोजाना 8 गिलास पानी पीना जरूरी है? जानें सच्चाई

हम सभी ने सुना है कि रोजाना आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरूरी होता है। यह सलाह इतनी आम हो गई है कि लोग इसे बिना सोचे-समझे मानने लगे हैं।

हालांकि, क्या वाकई में यह सच है? इस लेख में हम इस भ्रम को समझने की कोशिश करेंगे और जानेंगे कि वास्तव में हमें कितना पानी पीना चाहिए।

आइए पानी पीने का सही तरीका और इसके अधिक सेवन के नुकसान बताते हैं।

शरीर की जरूरत के अनुसार पानी पीएं

हर व्यक्ति की शरीर की जरूरतें अलग-अलग होती हैं इसलिए एक ही मात्रा में पानी पीने का नियम सभी पर लागू नहीं होता है।

हमारे शरीर को कितनी मात्रा में पानी चाहिए, यह कई बातों पर निर्भर करता है जैसे उम्र, वजन, शारीरिक गतिविधि और मौसम।

अगर आप ज्यादा पसीना बहाते हैं या गर्मी होती है तो आपको अधिक पानी की जरूरत हो सकती है। इसलिए अपने शरीर के संकेतों को सुनें और उसी अनुसार पानी पीएं।

भोजन से भी मिलता है पर्याप्त पानी

पानी केवल पेय पदार्थों से ही नहीं मिलता बल्कि हमारे खाने से भी हमें पर्याप्त पानी प्राप्त हो सकता है।

फल और सब्जियों जैसे खीरा, तरबूज, संतरा आदि में काफी मात्रा में पानी होता है, जो हमारी दैनिक आवश्यकता का हिस्सा बन सकता है। इसलिए केवल पेय पदार्थों पर निर्भर न रहें बल्कि अपनी डाइट पर भी ध्यान दें ताकि आपके शरीर को सही मात्रा में पानी मिल सके।

अधिक पानी पीने के नुकसान

अधिक मात्रा में पानी पीने से कुछ समस्याएं भी हो सकती हैं जैसे इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन या हाइपोनेट्रेमिया, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

जब हम जरूरत से ज्यादा पानी पीते हैं तो हमारे खून का सोडियम स्तर कम हो जाता है, जिससे कमजोरी या चक्कर आने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए हमेशा संतुलित मात्रा में ही पानी पीएं ताकि आपका स्वास्थ्य ठीक रहे।

प्यास लगने पर ही करें पानी सेवन

हमारा शरीर खुद हमें संकेत देता रहता है जब उसे किसी चीज की आवश्यकता होती है, जैसे भूख लगती तब खाना खाते हैं वैसे ही जब प्यास लगे तभी हमें जल सेवन करना चाहिए।

बिना वजह बार-बार पानी पीते रहने से बचें क्योंकि इससे आपकी किडनियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है, जिससे अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा बढ़ जाता है।

अपने शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया पर भरोसा करें और उसी अनुसार अपनी दिनचर्या बनाएं।

# उर्वशी रौतेला ने अनाथ लड़कियों की शादी में बांटी जलेबी!

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला अपने व्यस्त शेड्यूल से समय निकालकर अनाथ लड़कियों की शादी कराने के एक कार्यक्रम में शामिल हुईं, जहां वह जलेबी बांटती कैमरे में कैद हुईं। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में 251 वंचित अनाथ लड़कियों की शादी का आयोजन किया गया। समारोह में उर्वशी ने शिरकत की और वहां उपस्थित लोगों को मिठाई बांटी।

उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह सभी को जलेबी परोसती दिखाई दीं। डाकू महाराज की अभिनेत्री हरे रंग के एथनिक परिधान के साथ मैचिंग इयररिंग्स पहने बेहद खूबसूरत दिखीं।

इंस्टाग्राम पर वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, भगवान आपके सभी सपने पूरे करें और हर पल को खुशियों से भर दें।

वीडियो के बैकग्राउंड में उर्वशी ने ऋतिक रोशन-प्रियंका चोपड़ा स्टारर 'अग्निपथ' के गाने 'अभी मुझ में कहीं' को भी जोड़ा।

उर्वशी का लेटेस्ट वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें सोशल मीडिया यूजर्स उनके व्यवहार और प्यार के लिए खूब तारीफ करते नजर आए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी अपनी हालिया रिलीज 'डाकू महाराज' की सफलता से गदगद हैं। उर्वशी वर्तमान में बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'वेलकम 3' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

अहमद खान के निर्देशन में बनी इस प्रोजेक्ट में अक्षय कुमार, रवीना टंडन, दिशा पटानी, सुनील शेट्टी, लारा दत्ता, बॉबी देओल, जैकलीन फर्नांडीज, परेश रावल, अरशद वारसी, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

इसके अलावा, उर्वशी के पास विवेक चौहान की फिल्म 'बाप' भी है, हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर 'द एक्सपेंडेबल्स' की रीमेक बताई जा रही है। इस प्रोजेक्ट में सनी देओल, संजय दत्त, लंकेश भारद्वाज, अपेक्षा पांडे, जैकी श्रॉफ, मिथुन चक्रवर्ती और जॉनी लीवर समेत अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, उर्वशी अपकमिंग बायोपिक में बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री परवीन बॉबी की भूमिका भी निभाएंगी।

# जब बिग बी ने बताई थी 'दंगल' में आमिर खान के अभिनय की खामी

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने स्पोर्ट्स बायोपिक 'दंगल' में अपने अभिनय की एक बड़ी और एकमात्र खामी का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि यह खामी अमिताभ बच्चन ने उन्हें बताई थी।

आमिर खान हाल ही में मुंबई में रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल में अपनी पहली फिल्म 'कयामत से कयामत तक' की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुए।

इवेंट के दौरान सुपरस्टार ने अपनी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म 'दंगल' के बारे में बात की और बताया कि वह इसे अपनी सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक मानते हैं। हालांकि, अभिनेता अपनी गलती स्वीकार करते हुए खुद की आलोचना करने से पीछे नहीं हटे।

उन्होंने कहा कि 'दंगल' के शुरुआती दृश्यों में से एक में उनका किरदार, युवा महावीर सिंह फोगाट मैच में अपनी जीत का जश्न मनाते हुए हां कहता है।

अभिनेता ने याद किया कि बिग बी ने भी यही बात कही थी और उनसे कहा था कि इस खास हाव-भाव ने आमिर को महावीर के किरदार से बाहर कर दिया, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र से होने के कारण वह कभी भी हां नहीं कह सकते थे।

आमिर ने कहा कि उन्हें इसका पछतावा है और अंतिम संपादन में उस हिस्से को हटाने का कोई तरीका नहीं था क्योंकि इससे पूरी फिल्म प्रभावित होगी। आमिर जिस बात को समझाने की कोशिश कर रहे थे, वह यह थी कि कभी भी एक आदर्श प्रदर्शन नहीं हो सकता क्योंकि मानव स्वभाव को देखते हुए कुछ गलतियां होना तय है। इससे पहले, मुंबई के बांद्रा इलाके में एक फाइव स्टार होटल में अपने 60वें जन्मदिन से पहले आमिर अपनी खास दोस्त गौरी को मीडिया से मिलवाते नजर आए थे, जिससे मीडिया हैरान रह गया था। यह सुपरस्टार और निर्माता-निर्देशक किरण राव के तलाक के 16 साल बाद हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड सुपरस्टार की किरण से मुलाकात ऑस्कर के लिए नामांकित फिल्म लगान के सेट पर हुई थी, जिसमें उन्होंने अपनी पहली पत्नी रीना के साथ पैसे लगाए थे, जो उस फिल्म की एग्जिक्युटिव प्रोड्यूसर भी थीं।


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# देश में समाप्त की ओर है नक्सलवाद

अशोक शर्मा

पिछले दिनों संसद में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा था कि देश में आतंकी घटनाओं में 71 फ़ीसदी कमी आई है। केंद्र सरकार पिछले लगभग दो दशकों से नक्सल गतिविधियों को भी आतंकवाद की श्रेणी में रखती है। डॉ मनमोहन सिंह सरकार के गृहमंत्री पी चिदंबरम ने संसद में नक्सलवाद और माओवादियों को आतंकवादी श्रेणी में रखा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार भी नक्सलवादियों को आतंकवादी ही मानती रही है। जाहिर है केंद्र सरकार के प्रयासों की वजह से आतंकवाद अब केवल कश्मीर के दो-तीन जिलों तक सिमट गया है। यही स्थिति नक्सलवाद की है। नक्सली गतिविधियां अब केवल छत्तीसगढ़ के उड़ीसा और महाराष्ट्र से सटे तीन-चार जिलों तक सीमित हो गई हैं। अन्यथा पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से नक्सलवाद का लगभग सफाया हो गया है। दरअसल, इस समय नक्सलवाद की चर्चा छत्तीसगढ़ की घटनाओं के कारण हो रही है। हाल ही में छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 30 नक्सलियों को मार गिराया। बीजापुर में 26 और कांकेर में 4 नक्सली मारे गए। यह कार्रवाई बीजापुर और कांकेर जिलों में की गई। बस्तर संभाग में गुरुवार को अब तक कुल 30 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। साथ ही मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में नक्सलियों के हथियार और गोला बारूद भी बरामद हुए।

दरअसल, यह एक महीने के भीतर यह दूसरी बड़ी मुठभेड़ है, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में नक्सली मारे गए हैं। यह बैलाडिला की तराई वाला इलाका है जो बीजापुर और दंतेवाड़ा की सरहद के पास पड़ता है।कभी नक्सलियों के गढ़ कहे वाले इलाके में नक्सलवाद का सफाया होना अच्छा संकेत है। बीते तीन महीनों में बस्तर से गरियाबंद तक के आदिवासी बेल्ट में 130 नक्सली मारे गए हैं। जाहिर है हाल में छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को जो सफलता मिली वो स्वागत योग्य है। इसलिए केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस दावे पर विश्वास रखा जाना चाहिए कि अगले वर्ष 31 मार्च तक देश से नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। बहरहाल, एक समय यह लगता था कि नक्सलवाद की जड़ सामाजिक और आर्थिक विषमता में छिपी है। हमारे देश के कुछ सुदूर क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से पीछे छूट गए हैं, इसलिए नक्सलवाद बढ़ रहा है, लेकिन आर्थिक उदारीकरण के बाद यह महसूस किया गया कि मौजूदा नक्सलवाद सामाजिक विषमता के खिलाफ प्रारंभ हुआ आंदोलन नहीं, बल्कि विदेशी ताकतों के हस्तक्षेप का जरिया बन गया है। आजकल के इस नक्सलवाद का उद्देश्य शोषण को समाप्त करना नहीं, बल्कि देश के टुकड़े करना है। जाहिर है मौजूदा नक्सलवाद एक सामाजिक समस्या नहीं बल्कि कानूनी चुनौती है।इसीलिए नक्सलवादियों के सफाए के लिए सुरक्षा बलों द्वारा लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी के साथ केंद्र सरकार नक्सल प्रभावित जिलों में आधारभूत विकास की दृष्टि से विशेष कार्य योजना पर भी काम कर रही है। जिसके तहत बिजली, सडक, सिंचाई सुविधाएं, स्कूल, उद्योग इत्यादि लगाए जा रहे हैं। जाहिर है नक्सल प्रभावित जिले अब विकास की मुख्यधारा में आ रहे हैं या लाए जा रहे हैं। यही वजह है कि कथित नक्सलियों को अब स्थानीय लोगों का समर्थन नहीं मिल रहा है। नक्सलियों के पुनर्वास कार्यक्रम को भी इसीलिए सफलता मिल रही है क्योंकि स्थानीय लोग नक्सलवाद के खिलाफ हो गए हैं। कुल मिलाकर नक्सलवाद यानी लाल आतंक का सफाया हो रहा है यह राहत की बात है।

## शब्द सामर्थ्य - 

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं :**

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

**ऊपर से नीचे**

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | ■ | 2 | | 3 | 4 | ■ | ■ |
| | ■ | 5 | | ■ | 6 | | 7 | ■ |
| 8 | 9 | | ■ | 10 | | ■ | 11 | |
| ■ | 12 | | ■ | 13 | | 14 | ■ | ■ |
| ■ | 15 | | | ■ | ■ | 16 | 17 | |
| ■ | 18 | | ■ | 19 | | | | ■ |
| ■ | ■ | ■ | 20 | | ■ | 21 | | ■ |
| ■ | 22 | | | | | | ■ | 23 |
| 24 | | ■ | 25 | | ■ | ■ | 26 | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्वा | द | ■ | सा | म | ना | ■ | कै | दी |
| व | ■ | ख | ल | ना | य | क | ■ | वा |
| लं | प | ट | ■ | ना | क | क | ट | ना |
| बी | ■ | प | ■ | ■ | ■ | ड़ी | ■ | प |
| ■ | अ | ट | प | टा | ■ | ■ | शा | न |
| स | ह | ■ | यो | ■ | ■ | र | ति | ■ |
| ह | म | ■ | द | र | ब | द | र | ■ |
| म | क | र | ■ | सी | ल | ■ | ■ | ■ |
| त | ■ | क्षा | ■ | द | वा | खा | ना | ■ |

# राजकुमार-वामिका गब्बी की शादी में ग्रहण बना गमला

राजकुमार राव एक बार फिर मैडॉक फिल्म्स के साथ मिलकर अपने फैंस और दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। इस बार राजकुमार राव और दिनेश विजान एक टाइम-लूप स्टोरी लेकर आए हैं, जिसे देख दर्शक अपनी हंसी रोक नहीं पाएंगे। इस कॉमिडी फिल्म का नाम भूल चूक माफ है। मेकर्स ने फिल्म का पहला टीजर जारी किया है, जो काफी मजेदार है। मैडॉक फिल्म्स ने भूल चूक माफ का टीजर सोशल मीडिया पर जारी किया है और कैप्शन में लिखा है, दिन है उनतीस या तीस? फर्क है बस उन्नीस-बीस। पर ये है क्या मसला? जानिए 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में, तब तक भूल चुक माफ हो।

दिनेश विजन प्रेजेंट करते हैं राजकुमार राव और वामिका गब्बी स्टारर भूल चूक माफ, जिसका निर्देशन और लेखन करण शर्मा ने किया है।

भूल चूक माफ का टीजर की शुरुआत बनारस (उत्तर प्रदेश) के मशहूर घाट दशाश्वमेध घाट से होती है। इसके बाद टीजर में राजकुमार राव और वामिका गब्बी के परिवार वाले दोनों की शादी की तारीख पर चर्चा करते हैं, जिसके बाद दोनों की शादी के लिए 30 तारीख तय की जाती है। इसके बाद फिल्म के कुछ सीन लव आज कल (2009) के मशहूर गाने चोर बाजारी के साथ दिखाया जाता है। राजकुमार-वामिका अपनी शादी से पहले के खास पलों को एंजॉय करते नजर आते हैं। इस बीच दोनों की शादी की रस्मों की झलक दिखाई जाती है। राजकुमार का परिवार हल्दी की रस्मे करता है। इस दौरान राजकुमार अपनी हीरोइन से कहते हैं, बस आज की रात है तितली, कल तुम मेरी धर्मपत्नी बन जाओगी। तभी एक गमला ऊपर नीचे गिरता है और शाम ढलती है।

अगली सुबह राजकुमार जब जगते हैं तो देखते है कि फिर से हल्दी की रस्म की तैयारी हो रही है। वह अपनी मम्मी से कहते हैं कि वो फिर से हल्दी में लग गई। हल्दी की रस्म हो चुकी है। इस पर उनकी मां कहती हैं कि आज 29 तारीख है, कल 30 है। कल की बारात है। इसके बाद एक बार फिर गमला गिरता है और यहां से शुरू टाइम-लूप का सिलसिला शुरू हो जाता है। अब देखना मजेदार होगा कि क्या राजकुमार राव इस टाइम-लूप से बाहर आ पाते हैं और अगर हां, तो कैसे? करण शर्मा ने भूल चूक माफ को डायरेक्ट किया है। जबकि दिनेश विजन ने फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। राजकुमार और वामिका पहली के बीच पहली बार स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आएंगे। टाइम-लूम वाली यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होगी। बता दें, भूल चूक माफ मैडॉक फिल्म्स की इस साल की तीसरी फिल्म होगी। इससे पहले प्रोडक्शन हाउस ने स्काई फोर्स और विक्की कौशल-रश्मिका मंदाना की हिस्टोरिकल ड्रामा छावा रिलीज की। ये दोनों फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। उम्मीद है कि राजकुमार राव-वामिका गब्बी स्टारर कॉमेडी भूल चूक माफ को भी दर्शकों से खूब प्यार मिलेगा।

# हंटर 2 में सुनील शेट्टी को एक दमदार अवतार में दिखाया गया है

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी एक्शन थ्रिलर सीरीज हंटर के दूसरे सीजन के साथ अपनी वापसी करने के लिए तैयार हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। हाल ही में अभिनेता ने शूटिंग की एक झलक साझा की, जिसने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। वहीं अब, निर्माताओं ने भी सीरीज के दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट वीडियो जारी कर दिया है। हंटर सीरीज को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। वहीं, अब फैंस हंटर 2 के लिए तैयार हैं। ऐसे में ओटीटी चैनल के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने हंटर टूटेगा नहीं तोड़ेगा के सीजन 2 की भी घोषणा की। इस आकर्षक प्रमोशनल वीडियो में सुनील शेट्टी को एक दमदार अवतार में दिखाया गया है, जिसमें जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिका में हैं। वीडियो साझा करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सीरीज का टीजर वीडियो साझा करते हुए लिखा, हंटर वापस आ गया है।।याद है ना, यह टूटेगा नहीं, तोड़ेगा।। हंटर सीजन 2, जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर पर आ रहा है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी सीरीज की आधिकारिक रिलीज डेट का एलान नहीं किया है, लेकिन यह शो इसी साल दर्शकों का मनोरंजन करेगा। वहीं, बात करें सीरीज के कलाकारों की तो सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ के साथ हंटर 2 में बरखा बिष्ट, अनुषा दांडेकर भी हैं। सीरीज के निर्माता विक्रम मेहरा और सिद्धार्थ आनंद कुमार हैं। सीरीज का निर्माण सारेगामा इंडिया, यूडली फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। प्रिंस धीमान और आलोक बत्रा द्वारा निर्देशित इस सीरीज को खुश मलिक, अली हाजी और वीर ने मिलकर लिखा है।

# स्टाइलिश आउटफिट पहन श्वेता तिवारी ने शेयर किया ग्लैमरस लुक

टीवी की पॉपुलर अभिनेत्री श्वेता तिवारी हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से उनके लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस के बीच लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से छाने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं श्वेता तिवारी ने ब्राउन कलर का स्टाइलिश गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस और हॉट नजर आ रही हैं।

खुले बालों को कर्ली स्टाइल लुक कर के और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचा रहा है।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

श्वेता तिवारी की फोटोज को इंस्टाग्राम पर पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 1 लाख 28 हजार से भी ज्यादा लोगों ने फोटोज पर लाइक्स कर दिए हैं। वहीं, कछ यूजर्स हॉट, टू मच बोल्ड, सो ग्लैमरस जैसे कॉमेंट्स कर रहे हैं।

# फिल्म की शूटिंग और टीवी शो की शूटिंग में अंतर होता है: शुभांगी अत्रे

दर्शकों के पसंदीदा शो भाभीजी घर पर हैं पर फिल्म बनने जा रही है। फिल्म में शो के मूल कलाकार ही मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

शो में अंगूरी भाभी का किरदार निभाने वाली शुभांगी अत्रे इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

शुभांगी ने कहा, मैं एक एक्टर और एक कलाकार हूं, और कोई फर्क नहीं पड़ता कि माध्यम क्या है, चाहे वह टीवी, फिल्में, ओटीटी या थिएटर हो, मैं पूरी लगन और अनुशासन के साथ अपना 100 प्रतिशत देने में विश्वास करती हूं। बेशक, भाभीजी घर पर हैं पर अब एक फिल्म बनाई जा रही है, इसलिए काम काफी हद तक वैसा ही है जैसा हम टेलीविजन पर करते हैं। लेकिन फिर भी, एक अलग तरह की घबराहट और उत्साह होता है।

उन्होंने कबूल किया कि किसी फिल्म की शूटिंग करना टीवी शो की शूटिंग से बिल्कुल अलग होता है।

शुभांगी ने कहा, भले ही मैं वर्षों से अंगूरी का किरदार निभा रही हूं, लेकिन फिल्म के लिए परफॉर्म करना अलग लगता है। हालांकि, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हूं और अपनी पूरी कोशिश कर रही हूं, जैसा कि मैं हमेशा करती हूं। मैं वाकई बहुत खुश हूं, लेकिन साथ ही, मैं थोड़ी नर्वस भी महसूस कर रही हूं। मैं बस अपने प्रशंसकों से ढेर सारा प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाएं चाहती हूं।

उन्होंने कहा, सबसे पहले, हमारी फिल्म में कुछ नए कलाकार शामिल हुए हैं, इसलिए उनके साथ केमिस्ट्री बनाना एक नया अनुभव है। दूसरा, टीवी पर, हम अक्सर प्रदर्शन करते समय सुधार करते हैं, लेकिन एक फिल्म में, हमें बहुत सटीक होना पड़ता है। चूंकि एक फिल्म का रनटाइम 2 से 2.5 घंटे का होता है, इसलिए हम अनावश्यक संवाद नहीं जोड़ सकते हैं, जैसा कि हम कभी-कभी टीवी सीरियल शूटिंग में करते हैं।

शुभांगी फिल्म में एक्शन सीक्वेंस भी करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया, यह मेरे लिए कुछ नया है और मैं वास्तव में उत्सुक हूं कि स्क्रीन पर कैसे दिखाई दूंगी।

उन्होंने बताया कि यह न केवल उनके लिए बल्कि उनके माता-पिता के लिए भी एक सपना सच होने जैसा है।

उन्होंने कहा, मेरे पिता इस समय कैंसर से जूझ रहे हैं, लेकिन वे इस प्रोजेक्ट को लेकर बहुत खुश हैं। मेरे माता-पिता दोनों ने मुझे अपना आशीर्वाद दिया है और आज जब मैंने अपने पिता से बात की, तो उन्होंने मुझसे कहा कि एक बार फिल्म रिलीज हो जाए, तो हम सब इसे देखने के लिए एक साथ थिएटर जाएंगे। यह विचार ही मुझे भावुक कर देता है।

# रचनात्मकता की नई परिकल्पना: भारत का वेव्स शिखर सम्मेलन 2025 किस प्रकार वैश्विक मनोरंजन को नया रूप देगा

चैतन्य प्रसाद

प्रामाणिक कहानियों और रचनात्मक मनोरंजन की भूखी दुनिया में, भारत वैश्विक मीडिया परिदृश्य में क्रांति लाने के लिए पूरी तरह तैयार है। विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) महज मीडिया और मनोरंजन से जुड़ा एक हितधारक भर नहीं है – यह एक ऐसे परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है जो दुनिया भर में रचनाकारों, नीति-निर्माताओं और दर्शकों के कंटेंट के साथ जुडने् के तौर-तरीके को नए सिरे से परिभाषित करेगा। आगामी 1-4 मई, 2025 को मुंबई में आयोजित होने वाला वेव्स, संभवत् सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा रचनाकारों के इकोसिस्टम के लिए शुरू की गई एक ऐसी बेहद दूरदर्शी पहल के रूप में उभर कर सामने आया है, जो मनोरंजन के वैश्विक मंचों के लिए एक नया स्वर्णिम मानक स्थापित करेगा।

दशकों से भारत कहानी कहने की कला के क्षेत्र में एक महाशक्ति रहा है और अपनी फिल्मों, संगीत एवं डिजिटल कंटेंट के जरिए दुनिया को मंत्रमुग्ध करता रहा है। फिर भी, अपने विशुद्ध रचनात्मक सृजन के बावजूद, इस देश ने शायद ही कभी वैश्विक मनोरंजन उद्योग में भागीदारी की शर्तों को निर्धारित किया है। वेव्स उस कहानी को बदलना चाहता है। इसका नाता सिर्फ भारतीय रचनात्मकता को प्रदर्शित करने भर से नहीं है - इसका सरोकार मीडिया, मनोरंजन और प्रौद्योगिकी के इर्द-गिर्द होने वाली वैश्विक बातचीत को आकार देने से है। यदि दावोस आर्थिक नीति का केंद्र है और कान्स सिनेमा का मंदिर है, तो वेव्स का उद्देश्य नवाचार के सृजन और प्रमुख हितधारकों के सहयोग – कलात्मक प्रतिभा के संगम – के जरिए मनोरंजन के भविष्य को परिभाषित करना है।

वेव्स का वास्ता सिर्फ बड़े फलक वाली रणनीति से नहीं है इसका संबंध रचनाकारों, व्यवसायों और निवेशकों के लिए वास्तविक अवसर उपलब्ध कराने से है। 'भारत पैवेलियन' भारत की कहानी कहने की विरासत का उत्सव मनाएगा। इसमें प्राचीन महाकाव्यों एवं लोककथाओं से लेकर एआई-संचालित कंटेंट और मोहित कर देने वाली डिजिटल कहानी कहने की कला तक के इसके विकास को दर्शाया जाएगा। इसके जरिए भारत द्वारा विश्व को बताया जा रहा है कि् हमारी कहानियां भले ही कालातीत हैं, लेकिन कहानी कहने की हमारी शैली अत्याधुनिक है। वहीं 'वेव्स बाज़ार', जो अपनी तरह का पहला सालोंभर खुला रहने वाला वैश्विक कंटेंट बाजार है, कंटेंट की खरीद, बिक्री और वितरण के तरीके को बदलने के लिए तैयार है। पारंपरिक समारोह-संचालित अधिग्रहण मॉडल से आगे बढ़ते हुए, यह डिजिटल-प्रथम प्लेटफॉर्म निरंतर वैश्विक लेनदेन को संभव बनाएगा। इससे भारत और अन्य देशों के रचनाकारों को हमेशा सक्रिय रहने वाले मुद्रीकरण इकोसिस्टम तक पहुंच हासिल होना यह सुनिश्चित होगा।

हाल ही में ड्यूनन्पार्ट टू द्वारा भारत के महत्वपूर्ण वीएफएक्स योगदान के साथ सर्वश्रेष्ठ दृश्य प्रभाव के लिए 2025 का ऑस्कर जीतने जैसी सफलताओं, जो हमारी रचनात्मक क्षमता का उदाहरण है, को वेव्स वैश्विक मंच पर प्रदर्शित और पोषित करना चाहता है। लेकिन उद्योग जगत की सभी चर्चाओं से परे, जो चीज वेव्स को वास्तव में अलग बनाती है वह है इसका व्यापक दृष्टिकोण। यह एक बार का आयोजन नहीं है – यह भारत को मनोरंजन से जुड़े नवाचार के वैश्विक मुख्यालय के रूप में स्थापित करने की एक दीर्घकालिक रणनीति है। जैसे-जैसे वैश्विक मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग का आकार 2030 तक तीन ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का होने की ओर बढ़ रहा है, भारत एक आउटसोर्सिंग केन्द्र के रूप में नहीं बल्कि मनोरंजन के सृजन और उससे जुड़ी नीतिगत व निवेश के मामले में वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी देश के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है। इस शिखर सम्मेलन में कंटेंट के सृजन, वित्तपोषण, नीतिगत चर्चा और उभरती प्रौद्योगिकियों के मामले किया जाने वाला समन्वय इसे मनोरंजन के भविष्य का एक लॉन्चपैड बनाता है।

शिखर सम्मेलन की महत्वाकांक्षा प्रतिभा को प्रदर्शित करने से आगे बढक़र वैश्विक मीडिया संवाद के जरिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने तक फैली हुई है। इस कूटनीतिक पहल का उद्देश्य वास्तव में ऐसा वैश्विक इकोसिस्टम बनाना है जो भारत के नेतृत्व में विभिन्न देशों के रचनाकारों और उद्योग के हितधारकों को जोड़े। वैश्विक मीडिया संवाद ऐतिहासिक वेव्स घोषणा 2025 में परिणत होगा - जो वैश्विक मीडिया एवं मनोरंजन जगत के लिए एक ऐसा दूरदर्शी रोडमैप पेश करेगा जिससे मनोरंजन के एक स्थायी वैश्विक मंच की नींव रखा जाना संभव होगा। यह घोषणा मनोरंजन उद्योग की महत्वपूर्ण प्रवृत्तियों एवं चुनौतियों पर ध्यान देगी और एक ऐसे समावेशी ढांचे का प्रस्ताव करेगी, जो दुनिया भर के रचनाकारों को लाभान्वित करेगी।

वेव्स की सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक है 'वेवएक्सेलरेटर'। यह एक स्टार्टअप इनक्यूबेटर है, जिसे खास तौर पर रचनात्मक उद्यमियों के लिए डिज़ाइन किया गया है। एआई द्वारा सृजित कंटेंट, संवादात्मक मीडिया और वर्चुअल प्रोडक्शन के उदय के साथ, व्यवस्थित मार्गदर्शन (मेंटरशिप), वित्तपोषण (फंडिंग) और बाजार की सुलभता (मार्केट एक्सेस) की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। 'वेवएक्सेलरेटर' यह सुनिश्चित करता है कि भारत न केवल कहानी कहने की अत्याधुनिक कला को बढ़ावा दे बल्कि ऐसे व्यवसाय भी खड़े करे जो अगले दशक के मनोरंजन को परिभाषित करेंगे। बौद्धिक संपदा संरक्षण के साथ निवेश की सुविधा को एकीकृत करके, भारत दुनिया को यह संकेत दे रहा है कि वह एक स्थायी रचनात्मक अर्थव्यवस्था बनाने के प्रति गंभीर है।

वेव्स का एक प्रमुख आकर्षण प्रतिभा खोज और मार्गदर्शन पर इसका ध्यान केन्द्रित करना है। अपने 'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज' के जरिए, इस शिखर सम्मेलन ने गेमिंग, कॉमिक्स, एनीमेशन, संगीत, ईस्पोर्ट्स और प्रसारण में 725 शीर्ष-स्तरीय रचनाकारों की पहचान की है। ये चयनित प्रतिभाएं 'क्रिएटोस्फेयर' में भाग लेंगी, जोकि लाइव प्रतियोगिताओं, मास्टरक्लास और सहयोगी परियोजनाओं से लैस एक संवादात्मक केन्द्र (इंटरैक्टिव हब) है और यह सुनिश्चित करता है कि मनोरंजन में सर्वश्रेष्ठ नई प्रतिभाएं भारत से उभरकर वैश्विक मंच पर अपनी चमक बिखेरें। प्रतिभा से जुड़ी यह व्यवस्थित पाइपलाइन न केवल एक कंटेंट हब, बल्कि प्रतिभा के क्षेत्र में एक महाशक्ति बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को रेखांकित करती है।

इस शिखर सम्मेलन के 'थॉट लीडर ट्रैक' में मनोरंजन से संबंधित आज के कुछ सबसे बड़े सवालों पर विचार करने के लिए सीईओ, मीडिया अधिकारी, नीति निर्माता और अग्रणी रचनाकारों अग्रदूतों को एक साथ लाया जाएगा। इन सवालों में शामिल हैं् कहानी कहने की कला का भविष्य कैसा होगा? एआई कैसे कंटेंट सृजन को नया आकार देगा? कौन से नए मुद्रीकरण मॉडल स्ट्रीमिंग युग को परिभाषित करेंगे? हम रचनात्मकता को विनियमन के साथ कैसे संतुलित कर सकते हैं? ये सब केवल इस सम्मेलन में चर्चा की जाने वाली चिंताएं नहीं हैं – ये मनोरंजन के भविष्य को आकार देने वाली वास्तविक बहसें हैं और वेव्स इनके केंद्र में होगी।

वेव्स के रणनीतिक उद्देश्य वैश्विक उद्योग की जरूरतों के साथ पूरी तरह से मेल खाते हैं् ,मनोरंजन के क्षेत्र की प्रगति को बढ़ावा देना, एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों एवं मोहित कर देने वाले अनुभवों के जरिए नवाचार को बढ़ावा देना, युवा प्रतिभाओं को सशक्त बनाना और भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय मीडिया पेशेवरों के बीच सार्थक सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाना। इससे जुड़े लाभ इस शिखर सम्मेलन से कहीं आगे तक जाते हैं। वेव्स भारत को अपने रचनात्मक उद्योगों में पर्याप्त निवेश आकर्षित करने, वैश्विक मनोरंजन के शेत्र में अपने नेतृत्व को मजबूत करने, विश्वव्यापी रचनात्मक अर्थव्यवस्था में अपने योगदान को मजबूत करने और उद्योग की भविष्य की मांगों के लिए तैयार कुशल श्रमशक्ति विकसित करने की स्थिति में रखता है। कंटेंट सृजन एवं वित्तपोषण से लेकर गेमिंग, एनिमेशन, संगीत और आईपी विकास तक के विविध क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करके वेव्स तेजी से आपस में जुड़ती दुनिया में मीडिया एवं मनोरंजन से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों के पूरे फलक पर ध्यान देता है। 1 मई, 2025 की उल्टी गिनती शुरू होने के साथ ही दुनिया इस पर ध्यान दे रही है। वेव्स सिर्फ मीडिया से जुड़ा एक शिखर सम्मेलन भर नहीं है – यह एक आंदोलन है। एक ऐसा आंदोलन जहां रचनात्मकता एवं वाणिज्य का मेल होता है, परंपरा एवं प्रौद्योगिकी का संगम होता है और भारत अपनी शर्तों पर दुनिया से जुड़ता है। मनोरंजन उद्योग एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि जब अगला अध्याय लिखा जाए, तो वह सुनहरे अक्षरों में लिखा जाए तथा वेव्स उसके केन्द्र में हो।

(भारतीय सूचना सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी)

# भारत की कर संग्रहण प्रणाली सुधार की दिशा में आगे बढ़ रही

अशोक शर्मा

हमारे देश भारत की कर संग्रहण प्रणाली सुधार की दिशा में आगे बढ़ रही है। देश में पहली बार जीएसटी का संग्रहण दो लाख करोड़ रुपये से पार चला गया है। कर विशेषज्ञ इसे कर प्रणाली में सुधार के प्रयासों की सफलता बता रहे हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का भविष्य उसके समृद्ध आर्थिक संसाधनों पर ही निर्भर होता है। भारत के अड़ोस-पड़ोस के कई देशों की अर्थव्यवस्था नियोजन के अभाव, भ्रष्टाचार तथा लोकलुभावन नीतियों के व्यय बोझ से चरमरा गई।इसलिए भारत में वित्तीय संसाधनों को समृद्ध करने के जो प्रयास बेहद जरूरी थे किए गए।

यहां उल्लेखनीय है कि अप्रैल में जहां देसी गतिविधियों से कर संग्रह में 13.4 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, वहीं पिछले अप्रैल के मुकाबले में आयात से होने वाला राजस्व संग्रह भी 8.3 प्रतिशत बढ़ा है।चालू वित्त वर्ष के पहले ही महीने यानी अप्रैल में सकल वस्तु एवं सेवा कर संग्रह पहली बार रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ रुपये होना अर्थव्यवस्था के लिये शुभ संकेत है, जबकि दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में फिलहाल मंदी के रुझान नजर आ रहे हैं। यह वृद्धि बीते साल अप्रैल में एकत्र जीएसटी के मुकाबले 12.4 प्रतिशत अधिक है।आर्थिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध तथा गाजा में हमास इस्राइल संघर्ष जैसी बाह्य चुनौतियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह में वृद्धि देश की आर्थिक उन्नति के लिये अच्छा संकेत है।इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कर प्राप्तियों में बढ़ोतरी के मूल में आर्थिक गतिविधियों में तेजी के रुझानों का असर है।उल्लेखनीय है कि वृद्धि आयात उपकर में भी हुई है।वैसे एक तथ्य यह भी है कि आम तौर पर किसी भी नये वित्तीय वर्ष में पहले माह अप्रैल में सरकार को सर्वाधिक वस्तु एवं सेवा कर मिलता है।इस वित्त वर्ष के आने वाले महीनों में जीएसटी संग्रहण से होने वाली आय से अर्थव्यवस्था के स्थायी रुझानों का पता चल सकेगा।आने वाले महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि किन-किन महीनों में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये का आकंड़ा पार करता है।यहां यह उल्लेखनीय है कि अप्रैल माह में केंद्रीय जीएसटी में इस बार 27.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ संगृहीत राशि 94,153 करोड़ रुपये रही।दूसरी ओर राज्य जीएसटी संग्रह में आशातीत 25.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई।इस तरह राज्यों की जीएसटी संग्रह राशि 95,138 करोड़ हो गई।यानी राजस्व प्राप्ति की राह में राज्यों की भागीदारी में भी सुधार देखा गया है।

केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार, सिक्किम, मेघालय नगालैंड को छोडक़र सभी राज्यों में इस साल के पहले महीने जीएसटी राजस्व में वृद्धि हुई है।आर्थिक विशेषज्ञ जीएसटी वृद्धि के मूल में उपभोक्ता उत्पादों की ज्यादा खपत का योगदान बता रहे हैं।गर्मी बढने् की चिंता में उपभोक्ता बड़े पैमाने पर एसी व फ्रिज आदि खरीदते हैं। बच्चों के शैक्षिक सत्र समापन के चलते बच्चों की छुट्टियों में पर्यटन बढने् को भी एक वजह माना जा रहा है।निस्संदेह, लंबी यात्राओं के चलते आर्थिक गतिविधियों में तेजी आती है।वहीं आम चुनावों के चलते चुनाव प्रक्रिया में जुड़े व्यवसायों की आय में हुई वृद्धि की भी इसमें भूमिका हो सकती है।हमें मानना होगा कि वित्तीय नियामक एजेंसियों की सक्रियता तथा जीएसटी अधिकारियों द्वारा प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता देने से भी जीएसटी संग्रह में वृद्धि का यह रुझान दिख रहा है।इसमें जहां रिटर्न भरने के लिये सख्ती, फर्जी चालान पर अंकुश, पंजीकरण की अनिवार्यता को लेकर सख्ती से भी वस्तु-सेवा कर संग्रहण में वृद्धि हुई है।विश्वास जताया जा रहा है कि जीएसटी राजस्व में वृद्धि से उत्साहित नई सरकार कर उगाही व्यवस्था में बदलाव के लिये नई पहल कर सकती है। सरकार दावा कर सकती है कि 'एक देश, एक कर' की सोच सार्थक परिणाम लेकर सामने आ रही है। जो इस क्षेत्र में नये सुधारों का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है। दरअसल,एक दशक में मोदी सरकार बनने के बाद रेवेन्यू 303 फीसदी बढ़ा है।ग्रोथ, टेक्स प्राप्ति, विकास दर, विकास, सुविधाएं, प्रति व्यक्ति आय, रोजगार, मान- सम्मान, सद्भाव, कसावट और पारदर्शिता बढ़ी तो सुशासन आया और आर्थिक सेहत सुधरी।

# उत्तरकाशी में डोर टू डोर चलेगा मेरा वोट मेरा अधिकार अभियानः थापर

संवाददाता

उत्तरकाशी। कांग्रेस के मतदाता संरक्षण समिति के सह संयोजक अभिनव थापर ने कहा कि जनपद में डोर टूर डोर मेरा वोट मेरा अधिकारी अभियान चलाया जायेगा। आज यहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के निर्देश पर उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी ने मेरा वोट, मेरा अधिकार अभियान के तहत मतदाता संरक्षण समिति गठित की है, जिसमें प्रदेश सह संयोजक अभिनव थापर को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। इसी अभियान के तहत उत्तरकाशी पहुंचे अभिनव थापर का पार्टी कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत अभिनंदन किया। थापर ने पार्टी कार्यकर्ताओं,वरिष्ट नेताओ, निकाय चुनावों में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के साथ एक विस्तृत बैठक कर व्यापक चर्चा करने के बाद थापर ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने यह विस्तृत ट्रेनिंग कार्यक्रम 'मेरा वोट मेरा अधिकार' की प्रदेश स्तरीय कार्यकारिणी गठित की है, मेरा वोट - मेरा अधिकार का कांग्रेस पूरे प्रदेश में विस्तृत चरणबद्ध अभियान चलायेगी 14 अप्रैल 2025 को इस अभियान के प्रथम चरण पर प्रदेश समिति विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करेगी। अभी समिति पूरे प्रदेश के 102 निकायों में आरटीआई के माध्यम से सूचना प्राप्त कर यह जानकारी जुटा रही है कि क्यों भारी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे गए, या बढ़ाएं गए। इस असंवैधानिक कार्य से लोकतंत्र की हत्या हुई है! भविष्य में इस कृत्य में जो कोई भी संलिप्त पाया जायेगा उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की जाएगी। यद्यपि राज्य निर्वाचन ने जांच के आदेश दिए है, तथापि हमारा यह अभियान जारी रहेगा। उत्तरकाशी में कुछ वार्ड चिन्हित कर यह अभियान डोर टू डोर चलाया जाएगा।

# धरासू पुलिस ने गांव-गांव में जाकर जानी सीनियर सिटीजन की कुशलक्षेम

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने गांव-गांव जाकर सीनियर सिटीजन की कुशलक्षेम जानी और उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया।

आज यहां पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन में उत्तरकाशी पुलिस द्वारा कम्युनिटी पुलिसिंग के अन्तर्गत गांव-गांव में मीटिंग/चौपाल लगाकर ग्रामीणों व आमलोगों के साथ सम्पर्क साधकर उनको नशा, साईबर तथा अन्य सामाजिक अपराधों के प्रति जागरुक कर नशे व अपराध के खिलाफ पुलिस का सहयोग करने की अपील की जा रही है, दूसरी ओर बुजुर्ग व असहाय व्यक्तियों का हालचाल जानकर यथासम्भव सहायता के लगातार प्रयास किये जा रहे। आज प्रभारी निरीक्षक धरासू, दिनेश कुमार के नेतृत्व में थाना धरासू पुलिस द्वारा अलग-अलग टीमें बनाकर धरासू क्षेत्र के बधाण गांव, कुमराड़ा, थोला, मणि, जेष्टवाड़ी, श्रीकोट, सूलीठांग, बडेथी, मोरगी, बरेठ, बमणति, सयालना, गेंवला, बगियाल खेत, धारकोट, मुरोगी, टिपरी दशगी, कोट, बागी आदि गावों में जाकर सीनियर सीटिजन की कुशलक्षेम जानी गयी। सभी सम्मानित जनों को साइबर अपराधों, कानूनी अधिकारों तथा सीनियर सीटीजन हेतु चलायी जा रही सरकारी योजनाओं के प्रति सजग करते हुये पुलिस का तरफ से हरसम्भव मदद का भरोसा दिया गया। इस दौरान पुलिस द्वारा अलग-अलग गांव में 60 से अधिक सीनियर सीटिजन से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना गया।

## समुदाय विशेष के खिलाफ बदले... ◄◄ पृष्ठ 1 का शेष

कार्यवाही व दोहरा मापदंड अपनाने को लेकर सरकार पर चाबुक चलाने का काम करे। घेराव/ प्रदर्शन में मोर्चा महासचिव आकाश पँवार, हाजी आरिफ, प्रधान अयूब हसन, मोहम्मद इस्लाम, जमाल खान, सरदार सिंह चौहान, महिपाल सिंह रावत, जाबिर हसन, दिलबाग सिंह, फतेहआलिम, अशोक चंडोक, मौलाना शाबान, मुमसाद ,मुफ्ती असद, कारी आबिद, कारी शहजाद, साजिद, जुनैद, विजय राम शर्मा, राम सिंह तोमर, हाजी असद, सद्दाम हुसैन, मोहम्मद फारूक, सलीम मुजीबुरहमान, कुंवर सिंह चौहान, अनुपम कपिल, महेंद्र भंडारी, रूपचंद, निशा खातून, सायरा बानो, सरोज गांधी, प्रवीण शर्मा पिन्नी, संजय गुप्ता, जीशान, अकरम सलमानी, यूनुस, अमित जैन, रहबर अली, मन्नान, विनय गुप्ता, विनोद जैन, महेंद्र सिंघल, विनय गुप्ता, बिल्लू गिल्बर्ट , समून, गफूर, मनीष नेगी, नरेंद्र तोमर आदि मौजूद थे।

# जिम्मेदार लोगों पर कब होगी कार्यवाहीः माहरा

हमारे संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि तीन फरवरी 2025 को क्षेत्रीय प्रबंधक निदेशक वन निगम ने दोबारा मालदारी ठेकेदारी प्रथा लागू करने का पत्र जारी किया। जो सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन है। वहीं कोटद्वार के बनियाली क्षेत्र में रेत का ठेका एक रुपया घन मीटर के हिसाब से दिया गया है। हरिद्वार के गेट नम्बर एक और दो में करीब 19 लाख का घोटाला पकड़ा गया जिसमें केवल एक को सस्पेंड किया गया है।

कांग्रेस की पत्रकार वार्ता में पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि लालकुआं में करीब 1.51 करोड़ का घोटाला किया गया लेकिन किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। माहरा ने आरोप लगाया कि लॉगिंग ऑफिसर शेर सिंह को प्रभारी बनाया वन निगम ने, जो सबसे गलत काम कर रहे हैं।

खाद्य विभाग में डीएम देहरादून ने छापा मारा लेकिन जिम्मेदार अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं। कुपोषित बच्चों की संख्या 430 करोड़ खर्च के बाद ढाई गुना बढ़ी। खेलों के लिए समय से तैयारियां नहीं की गई। बिना टेंडर के काम दिए। उसकी जांच सरकार कब करेगी। अगर पदक लाखों में खरीदे गए तो सरकार उसकी जांच कब करेगी। माहरा ने कहा कि कोरोना के समय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति का घोटाला सामने आया था। 428 कर्मचारी भर्ती हुए थे। मंत्री ने एसआईटी का गठन किया था। लेकिन उसके बाद क्या कार्रवाई हुई, उसका कुछ पता नहीं। आजकल एलयूसीसी को लेकर नया मामला सामने है। कॉपरेटिव के माध्यम से महिलाओं को बरगलाया गया। धन सिंह रावत का आरोप झूठा है। तब आचार संहिता लगी हुई थी। भाजपा की सरकार में ये संस्था आई थी। मंत्री को बताना चाहिए कि कौन जिम्मेदार हैं। उन्होने कहा कि 2022 में मंत्री धन सिंह क्या कर रहे थे। संस्था खाते खाली करके जा चुकी है। महिलाएं परेशान हैं। लोग उन पर दबाव बना रहे हैं। सहकारिता विभाग की इस मामले में पूरी गलती है। उन्होंने 2022 में केंद्र को शिकायत करके ही क्यों छोड़ दिया, अपने स्तर से कार्रवाई क्यों नहीं की।

# नवरात्रि में मांस की दुकाने बंद कराने के लिए डीएम को दिया ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। नवरात्रि पर्व के दौरान मांस की दुकानें बंद कराने के लिए बजरंग दल ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

आज यहां बजरंग दल के कार्यकर्ता प्रांत मिलन प्रमुख विकास वर्मा के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि हिन्दू धार्मिक आस्था का प्रतीक माता वैष्णों देवी के नवरात्रि पर्व 30 मार्च से प्रारम्भ हो रहा है जो आगामी 6 अप्रैल तक रहेंगे शहर भर में हर्षोल्लास का वातावरण होता है।

उन्होंने कहा कि पूजा पाठ के लिए हिन्दू घरों की महिलाएं पुरूष बाजारों में पूजा पाठ की सामग्री व पूजन हेतु सभी मंदिरों में संख्यात्मक भीडभाड होती है और इसमें सबसे अत्यधिक स्थिति खराब कालिका माता मार्ग जहां पूरी तरह से हिन्दू मानबिंदुओं को कुचला जा रहा है और मां कालिका भवन व सिंन्दूरिया हनुमान मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग के मध्य में स्थित खुले मांस की दुकानें व शहर भर में खुली मांस बिक्री की दुकानें हिन्दू आस्था को आहत कर ठेस पहुंचती है और इस पवित्र पर्व पर हिन्दू धर्म को अपमानित करती प्रतीत होती है।

उन्होंने मांग की है कि इन सभी खुले मां की दुकानों को नवरात्रि पर्व व मंगलवार के दौरान सख्ती से बंद कराया जाए। ज्ञापन देने वालों में अनिल मैसोन, विशाल चौधरी, अनिल चौहान, यशवेन्द्र चौधरी, हरीश सेठी, सुबोध, राशिराम वर्मा, मनोह सिंह बिष्ट, पवन कुमार आदि शामिल रहे।

# ज्ञान करतार स्कूल में पोशाक किताबें व बैग निशुल्क वितरित कियेः सलूजा

संवाददाता

ऋषिकेश। ज्ञान करतार पब्लिक स्कूल के तत्वावधान में ढाई सौ बच्चों को स्कूल की पोशाक, किताबें व बैग वितरित किए गए।

आज यहां शीशम झाड़ी स्थित ज्ञान करतार पब्लिक स्कूल के तत्वावधान में ढाई सौ बच्चों को स्कूल की पोशाक, किताबें व बैग वितरित किए गए । इस वर्ष विद्यालय में गर्मियों और सर्दियों की ड्रेस वितरित की गई। स्कूल इस वर्ष एल के जी से और कक्षा 8 तक कर दिया गया है। जिसमें कि पूर्णतया निशुल्क शिक्षा दी जा रही है। ज्ञान करतार स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष गुरविंदर सलूजा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि एक मात्र ऐसा विद्यालय है जिसमें जरूरतमंद बच्चों को वर्ष में दो बार शरद ऋतु और ग्रीष्म ऋतु की ड्रेस वितरित की जाती आ रही है। संस्थापक गुरविंदर सलूजा ने बताया कि सभी 250 बच्चों को ड्रेस के साथ-साथ स्कूली किताबें और स्कूल बैग भी दिए गए हैं। उन्होंने बताया की ड्रेस किताबें, बैग कई वर्षों से बच्चों को निशुल्क दिए जा रहे हैं। इस स्कूल में बहुत गरीब घर के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। जिनके माता-पिता बच्चों को शिक्षा ग्रहण नहीं करा सकते उन बच्चों को इस विद्यालय में प्रवेश दिया जा रहा है। उन्होंने बताया हर वर्ष विद्यालय में बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। साथ ही सभी बच्चों को मिड डे मील में भोजन व गाय का बॉर्नविटा वाला दूध भी दिया जाता है। सलूजा ने बताया कि बच्चों की समय-समय पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं। जिसमें बच्चों को अपनी कला प्रदर्शन पेश करने का भी मौका दिया जाता है। सभी बच्चों को निशुल्क विद्या प्रदान की जाति की जा रही है। विद्यालय में बच्चों की साल में दो बार निशुल्क नेत्र चिकित्सा और मेडिकल चिकित्सा भी की जाती है।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सरिता पैन्यूली द्वारा विद्यालय का सफल संचालन किया जा रहा है। इस अवसर पर अध्यापिका ममता, बबीता, नीलम, यशोदा बिष्ट, अनुराधा, किरण, यशोदा, अर्चना, सोनम आदि उपस्थित थी।

## एक नजर

### म्यांमार में देर रात फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए

नई दिल्ली। म्यांमार में भूकंप से आई तबाही के बाद देर रात एक और भूकंप दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय भूकंपीय केंद्र के अनुसार, यह भूकंप भारतीय समयानुसार रात 11:56 बजे आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.2 मापी गई। ताजा झटकों के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। इसके अलावा अफगानिस्तान में भी सुबह 4:51 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 4.3 मापी गई है। मिली जानकारी के मुताबिक अभी बचाव अभियान जारी है इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। शहर के पूरे अस्पताल भरे हुए हैं और भारी मात्रा में रक्त की डिमांड है। वहीं बैंकॉक में निर्माणाधीन एक ऊंची इमारत ढह गई, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई है। म्यांमार में आए भीषण भूकंप को लेकर विश्व के अन्य देशों ने मदद की घोषणा की है। भारतीय वायुसेना के हिंडन स्टेशन से शुक्रवार(28 मार्च) देर रात भारतीय वायुसेना के सी 130-जे विमान में भूकंप प्रभावित म्यांमार के लिए करीब 15 टन राहत सामग्री भेजी गई। इस बात की पुष्टि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने की। भेजी गई राहत सामग्री में टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, भोजन, वाटर प्यूरीफायर, स्वच्छता किट, टीवी, सौर लैंप, जनरेटर सेट, तथा आवश्यक दवाइयां जैसे पैरासिटामोल, एंटीबायोटिक्स, कैनुला, सीरिंज, दस्ताने, सूती पट्टियां, मूत्र बैग आदि शामिल हैं। म्यांमार दुनिया के उन देशों में शामिल है, जो भूकंप के लिहाज से खतरनाक है और म्यांमार में हर महीने 8 भूकंप आते हैं।

### सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा-दंतेवाड़ा सीमा पर उपमपल्ली केरलापाल इलाके के जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए हैं। सुकमा के जंगलों से सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं। इस मुठभेड में 4 जवानों को भी मामूली चोटें आई हैं। सुकमा मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के 4 जवान घायल हुए हैं। सुरक्षाबलों के 4 में से 3 डीआरजी और 1 सीआरपीएफ का जवान शामिल है। घायल जवानों की स्थिति खतरे से बाहर है। अधिकारियों के अनुसार सुकमा पुलिस स्टेशन की सीमा केअंतर्गत केरलापाल इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान शुरू किया गया था। संयुक्त दल 28 मार्च को तलाशी अभियान के लिए निकला था। 29 मार्च की सुबह से ही नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। सुरक्षा बल फिलहाल मुठभेड़ स्थल और आसपास के जंगली इलाकों की गहन तलाशी ले रहे हैं। बता दें कि सुकमा छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में से एक है, जहां पहले भी कई नक्सली हमले हो चुके हैं।

### तीर्थ स्थलों पर बुकलेट होगी जारी

❑ 12 भाषाओं में मिलेगी सभी मठ मंदिरों की जानकारी

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड का शासन प्रशासन इन दिनों चार धाम यात्रा की तैयारियों में जुटा हुआ है। चार धाम यात्रा मार्गो से बर्फ हटाने का काम जोर-शोर से जारी है तथा सड़कों की मरम्मत का काम और यात्रा मार्गों पर जन सुविधाओं का इंतजाम किया जा रहा है। वही बद्री केदार समिति भी व्यवस्थाओं में बदलाव करने में जुटी है। अभी बीते दिनों केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी। मंदिर परिसर के 30 मीटर के दायरे में मोबाइल से फोटोग्राफी व रील बनाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं अब समिति द्वारा देश की 12 भाषाओं में एक बुकलेट भी लॉन्च की जा रही है जो उन सभी मठ मंदिरों की जानकारी श्रद्धालुओं को देगी जो मंदिर समिति के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। इसमें 47 धार्मिक स्थल है इस बुकलेट को विभिन्न राज्यों की 12 भाषाओं में प्रकाशित किया जाएगा तथा यात्रियों के विश्राम स्थलों से लेकर सभी होटलों में इस पुस्तिका को रखा जाएगा।

तीर्थ पुरोहित भी समिति के इस फैसले का स्वागत कर रहे हैं। लेकिन इसके बारे में कांग्रेस के नेता गणेश गोदियाल का कहना है कि धामों की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी पर तो पहले भी प्रतिबंध के नियम थे। लेकिन खुद भाजपा के नेताओं और समिति के लोगों ने ही गर्भग्रह तक की फोटो खींची और अपनी फोटो के साथ वायरल की। उनका कहना है कि जब से मंदिर समिति का काम बीजेपी के अधिकार में आया है वह खुद ही व्यवस्थाओं को बिगाड़ने में जुटी है।

# आखिर एएसआई ने बरामद प्राचीन हथियारों पर अध्ययन क्यों नही किया ?

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के टिहरी जिले के एक सुदूर गांव में सड़क परियोजना के लिए खुदाई के दौरान प्राचीन हथियारों का एक बड़ा जखीरा मिला था। लेकिन, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से प्राप्त एक आरटीआई के जवाब से पता चलता है कि विभाग ने संभवत: अब तक खोजी गई प्राचीन तलवार, भाला, खंजर आदि पर कोई अध्ययन नहीं किया है।

बता दें कि पेपोला ढुंग गांव (पट्टी: ढुंग मनार) के पास सड़क निर्माण कार्य चल रहा था। जून 2017 में यहां से लगभग 84 प्राचीन तलवार, भाला, खंजर आदि बरामद किए गए थे। सात साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी, एएसआई ने खोजी गई कलाकृतियों पर अभी तक कोई अध्ययन शुरू नहीं किया है।

देहरादून के राजू गुसाईं द्वारा प्राप्त आरटीआई जवाब में कहा गया है कि प्राचीन तलवार, भाला, खंजर आदि एएसआई देहरादून कार्यालय में रखे हुए हैं। लोहे के हथियारों और अन्य वस्तुओं पर कार्बन डेटिंग नहीं की गई है। मुख्यालय

**जून 2017 में टिहरी के सुदूरवर्ती क्षेत्र से बरामद हुए थे प्राचीन हथियार**

से कोई आधिकारिक पत्राचार नहीं किया गया है। खोजे गए प्राचीन हथियारों पर कोई अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित नहीं की गई है।

पेपोला ढुंग गांव लंबे समय से सड़क संपर्क का इंतजार कर रहा है। जून 2017 में 1.2 किलोमीटर चंपटोक-पेपोला सड़क परियोजना पर काम चल रहा था। खोज के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने खोजे गए हथियारों पर नियंत्रण कर लिया। अगर एएसआई ने खोजे गए हथियारों पर कोई अध्ययन नहीं किया है, तो वह उन्हें ग्रामीणों को क्यों नहीं लौटा देते? कम से कम ग्रामीण उन्हें कहीं तो रखेंगे और लोगों को उन्हें देखने का मौका मिलेगा।

## दुष्कर्म पीडिता को धमकाने पर लगायी एसएसपी से गुहार

संवाददाता

देहरादून। दुष्कर्म पीडिता को धमकाने के मामले में एसएसपी से गुहार लगाये जाने पर पीआरओ ने एसओ को जरूरी दिशा निर्देश दिये।

घटनाक्रम के अनुसार बीते दिनों राजपुर थाना क्षेत्रान्तर्गत एक नाबालिग के साथ एक किशोर के द्वारा बलात्कार की घटना को अंजाम दिया गया था। जिसमें पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसको सुधार गृह भेज दिया गया था। जिसके बाद उक्त आरोपी सुधार गृह से वापस अपने घर आया और पीडिता के घर के आसपास घुमते हुए पीडिता के परिजनों को धमकाने लगा। जिससे परेशान होकर पीडिता के परिजनों ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर गुहार लगायी। जिसके बाद पीआरओ हेमंत खण्डरी के द्वारा एसओ राजपुर से फोन पर सम्पर्क कर उनको घटनाक्रम से अवगत कराते हुए उनको जरूरी दिशा निर्देश दिये और घटना की पुर्नावत्ति ना हो इसके बारे में भी बताया कि पीडिता एसएसपी कार्यालय में अपने परिजनों के साथ आयी है और वह दोबारा यहां ना आये ऐसी व्यवस्था की जाये और उसकी सुरक्षा का ध्यान रखा जाये तथा आरोपी व उसके परिजनों को बुलाकर समझाने के भी निर्देश दिये।

## गरीब महिला का 18 हजार का विद्युत बिल माफ!

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने गरीब महिला का 18 हजार रूपये का विद्युत बिल माफ करते हुए बिल का भुगतान डीएम रायफल फंड से किया।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल का दूरस्थ क्षेत्र त्यूनी में बहुउद्देशीय शिविर जहां जनता के लिए कई सौगात लेकर आया वहीं असहाय एवं निर्बल लोगों के लिए भी किसी सपने से कम नहीं है। एक ओर जहां महिला को मौके पर ही आर्थिक सहायता, दिव्यांगों को पेंशन व उपकरण, दिव्यांग बच्चों को उपकरण पेंशन के साथ रिस्पांसर योजना से पढाई तथा बाधाधार निवासियों के लिए गैस वितरण प्याईट सब मौके पर ही निर्णय लिया।

फनार निवासी दुर्गा देवी जिनके पति की मृत्यु पिछले वर्ष हो गई है, उनके पांच बच्चें हैं जिनका भरणपोषण वह मजदूरी कर कर रही हैं का विद्युत बिल 17 हजार है, जिसे माफ करने की गुहार लगाई, जिस पर डीएम ने उक्त महिला के बिल का भुगतान रायफल फंड से विद्युत विभाग को भुगतान किया गया।

मुन्धौल निवासी गरीब महिला प्रमिला देवी, जिसने अपनी व्यथा डीएम को सुनाई तथा भवन क्षति पर आर्थिक सहायता का आवेदन किया, जिस पर डीएम ने त्वरित कार्यवाही कराते हुए तहसील त्यूनी में महिला के नाम आर्थिक सहायता का चौक जारी कर महिला को दिया। बहुउद्देशीय शिविर में 11 वर्षीय डिरनाड़ निवासी दिव्यांग बालक कार्तिक को मिला ट्राई साईकिल स्पॉसरशिप योजना से शिक्षा हेतु 4 हजार के साथ ही समाज कल्याण विभाग से प्रतिमाह दिव्यांग पेंशन स्वीकृत किया।

### बहुउद्देशीय शिविर में दिव्यांग बालक को मिली ट्राई साईकिल

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

*नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*